Paper - I

MT

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - I

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

	विभाग 1 - गद्य	
उ.1. **1)**	**क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-** **संजाल पूर्ण कीजिए।**	**2**
2)	i) **निम्न शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त शब्द लिखिए ।**	**1**
	(1) सामने → सम्मुख	
	(2) बेहोशी → मुर्छा	
	ii) **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए ।**	
	(1) पिटारी (2) बीन	**1**
3)	मनुष्य को कोई भी कार्य बिना सोचे-विचारे नहीं करना चाहिए। बिना विचारे किए गए कार्य से मनुष्य को बुरे परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जिसका उसे लंबे समय तक पश्चात्ताप (पछतावा) करना पड़ता है। इसलिए मनुष्य को कोई भी कार्य करने से पूर्व गहन चिंतन -मनन कर लेना चाहिए। विचार कर किया गया कार्य फलदाई होता है।	**2**
उ.1. **1)**	**ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
	(1) वाराणसी के राजा का नाम <u>ब्रह्मदत्त</u> ।	½
	(2) कोसल के राजा का नाम <u>मल्लिक</u> ।	½

ii) **उचित पर्याय ढूँढ़कर वाक्य फिर से लिखिए ।** 1

(1) राजा ब्रह्मदत्त घूमता-घूमता **जनपद की सीमा पर पहुँच गया।**

(2) राजा मल्लिक को भी अभी तक कोई सच्चा **आलोचक नहीं मिला था ।**

2) i) **परिच्छेद से पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** 1

(1) सँकरा → तंग

(2) जिला → जनपद

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** 1

(1) प्रशंसक → आलोचक

(2) झूठा → सच्चा

3) एक आदर्श राजा को न्यायप्रिय होना चाहिए । पक्षपात रहित होकर जनता के साथ न्याय करना चाहिए। उसे अपने सगे संबंधियों के साथ भी जनता जैसा ही व्यवहार करना चाहिए। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके राज्य में चारों तरफ शांति बनी रहे कोई बेरोजगार न रहे और सभी शिक्षित हों। वह प्रजा पालक हो तथा दुख और आपदा के समय तत्काल प्रजा की सहायता करे । ऐसा राजा प्रजा के दिलों में निवास करता है। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **उत्तर लिखिए।**

(1) इस संसार में कोई भी अपना नहीं है। ½

(2) झूठा प्यार। ½

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** 1

अपने सुख के पीछे लगे हैं → पत्नी, मित्र

2) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** 1

i) हित → भलाई

ii) संगी → साथी

3)	प्रेम दो प्रकार का होता है। पहला दिखावटी प्रेम और दूसरा सच्चा प्रेम। दिखावटी प्रेम स्वार्थ भरा होता है। स्वार्थ - सिद्ध होते ही ऐसा प्रेम समाप्त हो जाता है। इसलिए ऐसे प्रेम पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। सच्चे प्रेम में अपने पन की भावना भरी होती है। उसमें छल - कपट का कोई स्थान नहीं होता। सच्चा प्रेम बहुत कम देखने को मिलता है। ऐसा प्रेम भक्त - भगवान, गुरु - शिष्य और माता -पुत्र के बीच ही देखा जा सकता है।	2
उ.2.	**(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**उत्तर लिखिए।** i) ऊँचे कंगूरों से बनी घाटियों के गहरे कटोरों में। ii) पर्वतों से। iii) बड़े-बड़े पत्थरों को। iv) मुश्किलों का सामना करते हुए आगे बढ़ना।	2
2)	**सही शब्द तैयार कीजिए।** i) तों | पा | ल | ज | प्र = जलप्रपातों ii) रों | गू | कं = कंगूरों	1
3)	आज जिस गति से प्रदूषण बढ़ा है; वह मानव जीवन के लिए खतरे की घंटी है। प्रदूषण का सीधा प्रभाव प्रकृति पर पड़ता है। प्रकृति का अभिन्न अंग है वृक्ष। जिसके कारण हमें जल तथा शुद्ध वायु मिलती है किंतु वृक्षों की अबाध गति से कटाई और प्रदूषण से सूख रहे पेड़ों के कारण वर्षा में कमी आई है। नदियाँ सूखने लगी हैं। तालाबों में पानी जमा नहीं हो रहा, नाले सूखने लगे हैं। जिसके कारण जल स्तर गिर गया है। यदि हम प्रदूषण की रोकथाम के साथ-साथ वृक्षों की कटाई बंद करें तो एक बार फिर वर्षा के जल से नदियों और तालाबों को भरा हुआ देख सकेंगे।	2
	विभाग 3 - व्याकरण	
उ.3.	**पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए ।** i) क्रीमपावडर ii) कुतुबमीनार	1
2)	**निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** बरसात अचानक रुक गई ।	1
3)	i) **काल पहचानिए ।** सामान्य भूतकाल ।	1

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** 1

कुष्ठरोगियों ने स्वास्थ्यलाभ किया है ।

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** 1

अपने देश की दीन जनता पर होने वाले अत्याचार से झाँसी की रानी का **खून खौल उठता था** ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** 1

टूट पड़ना – आक्रमण करना।

वाक्य : शत्रु को देखते ही सैनिक उस पर **टूट पड़े** ।

विभाग - 4 - रचना

उ.4. **1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** 4

सागर शर्मा
105/ जवाहर चौक,
मुंबई ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
जवाहर विद्यालय,
गोरेगाँव,मुंबई ।

विषय :- लिपिक पद के लिए प्रार्थनापत्र ।

माननीय महोदय,

मैंने नवभारत टाईम्स में कल पढ़ा कि आपके विद्यालय में लिपिक की जरूरत है । विज्ञापन के द्वारा मुझे जानकारी हुई । उक्त पद के लिए मैं प्रार्थना पत्र भेज रहा हूँ ।

मेरे संबंध में जानकारी इस तरह है :-

एस.एस.सी. परीक्षा – मार्च, 2011 (प्रथम श्रेणी)
एच.एस.सी. परीक्षा – मार्च, 2013 (प्रथम श्रेणी)
संगणक का अनुभव – तीन वर्ष

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यदि मुझे अवसर मिला तो अपने आपको एक अच्छा और जिम्मेदार लिपिक साबित करने का प्रयास करूँगा।

कष्ट के लिए क्षमा प्रार्थी ।

धन्यवाद !

भवदीय,
सागर शर्मा ।

संलग्न प्रमाणित प्रति लिपियाँ :

1) एस.एस.सी. प्रमाण पत्र के साथ अंकतालिका ।
2) एच.एस.सी. प्रमाण पत्र के साथ अंकतालिका ।
3) संगणक संबंधी अनुभव प्रमाण पत्र ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
जवाहर विद्यालय,
गोरेगाँव,
मुंबई ।

प्रेषक,
सागर शर्मा,
105/ जवाहर चौक,
मुंबई ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

(1) मेरा इरादा गरीबों को मदद करने का है ।
(2) उसका इरादा सबको धोखा देना है ।
(3) आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना अच्छा होगा ।
(4) जब तक वे कठिन मेहनत नहीं करेंगे, तब तक वे पास नहीं कर सकते ।

3) निम्नलिखित गद्य परिच्छेद पढ़कर उस पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर क-एक वाक्य में हों । **4**

(1) विधाता ने हमें एक मुँह क्यों दिया है ?
(2) मनुष्य कौन-सी इंद्रियों से सामर्थ्यशाली बना है ?
(3) विधाता ने हमें क्या-क्या दिया है ?
(4) ईश्वर की मानव के लिए सबसे बड़ी देन क्या है ?

❖❖❖❖